भजन

तर्ज–ए मेरे दिल कहीं और चल

चल सखी आ चलें रंगमोहोल, संग पिया बैठीं सब चांदनी
रात पूनम की है सुहामनी

1– पूर्णमासी की रात पिया, संग सखियों विराजें यहां–2
आधी रात शीतल चांदनी, नूर से नूरी है चन्द्रमा
इश्क की है यहां रागिनी

2– बीच तख्त पे बैठक लगी, जुगल जोड़ी है सुन्दर सजी–2
पिया इश्क की महफिल लगी, रूहें मस्ती में मस्त हुई
भीगें जल की फुहारों से भी

3– कैसा आलम ये नूर भरा, मदमस्त खुशबू से भरा–2
उफ ऊपर से यह ठण्डी पवन, अंग अंग में भर दे उमंग
छाई है मदहोशियां रात की

4–बैठी सखियां सभी मिल कर,पीवें नजरों से अमीरस भरी–2
अलबेले संग रस भरियां, गर्क होती हैं इश्के पिया
सुख लें सुहाग से सुहागनी